स्वयं सहायता समूह से मिली आत्मनिर्भर बनने की नई राह'

ससुराल में मिला मान-सम्मान

जहां बात आती है देश के प्रगति की वहां जितना योगदान पुरुषों का है उतना ही योगदान महिलाओं का भी है. सरकार ने सबकी सहायता करने के उद्देश्य से जो कदम उठाएं हैं उनमें से एक है "दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रिय शहरी आजीविका मिशन" जिसका उद्देश्य कौशल विकास और अन्य उपायों के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि कर शहरी गरीबी को कम करना है.

इसी क्रम में आइए जानते हैं मझिआंव नगर, पंचायत की एक महिला धर्मशीला देवी के बारे में जिन्होंने सरकार की इस योजना का भरपूर लाभ उठाया है और काफी तरक्की भी की.

मझिआंव नगर पंचायत, वार्ड नंबर 7 की निवासी धर्मशीला देवी की आर्थिक स्थिति बहुत तंगी में थी.पती राज-मिस्त्री का कार्य करते थे परंतु काम नहीं मिलने के कारण ज़्यादातर बेरोजगार ही रहते थे. धर्मशीला पढ़ी लिखी थी और मन मे कुछ करना चाहती थी, परंतु ससुरालवालों के डर से इच्छा जाहिर नहीं कर पाती थी. इसी दौरान वह 2018 मे दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन द्वारा संचालित गायत्री स्वयं सहायता समूह से जुड़ी और बचत करने लगी. उन्होनें अपना एक व्यवसाय शुरू करने का सोचा. सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होनें समुह की बचत से एवं बैंक से 30,000 रुपए की राशी ऋण के रूप में प्राप्त की. ऋण के पैसे से 10,000 रुपए में एक सिलाई मशीन खरीदी तथा शेष बचे 20,000 रुपए से किराने की दुकान शुरू किया. उनके इस प्रयास ने भरपूर साथ दिया और आज वह प्रतिदिन 300-350 रूपए की आमदनी कर रही हैं. कार्य मे उनके पती का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है. साथ ही ससुराल वाले भी काफी मान-सम्मान दें रहे हैं. इस तरह उनहोंने सामाज में औरतों के सामने एक मिसाल कायम की है.